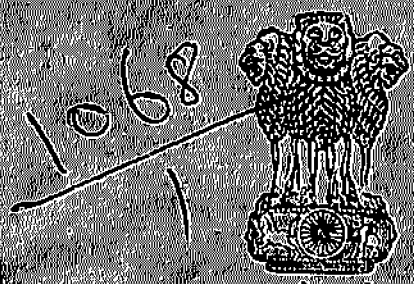

सत्यमेव जयते

खंड ४ संख्या १

# बिहार विधान सभा वादवृत्त

सरकारी रिपोर्ट

---

सोमवार, तिथि १ फरवरी, १९५४

---

Vol. IV No. 1

# The Bihar Legislative Assembly Debates

## Official Report

---

*Monday, the 1st February, 1954.*

---

अधीक्षक, राजकीय मुद्रणालय, बिहार,
पटना, द्वारा मुद्रित,
१९५४।

[ मूल्य—६ आना। ]
[*Pric Annas 6.*]

श्री महेश प्रसाद सिंह—प्रश्न के पहला भाग के उत्तर हां में है और दूसरे भाग का उत्तर पुस्तकालय के मेज पर रख दिया गया है।

**Shri JAGANNATH SINHA :** What amount has so far been spent on the different schemes ?

**Shri MAHESH PRASAD SINHA :** It is given in the Statement

अध्यक्ष—समूचे स्टेटमेंट को पढ़ने की जरूरत नहीं है।

श्री जगन्नाथ सिंह—अध्यक्ष महोदय, टोटल बताने में क्या आपत्ति है ?

अध्यक्ष—उसमें तो दिया ही हुआ है।

श्री जगन्नाथ सिंह—हुजूर, हम लोगों के सामने नहीं है।

The House is interested to know the amount spent during the year.

अध्यक्ष—टोटल क्या दिया हुआ है ?

**Shri MAHESH PRASAD SINHA :** Yes Sir, Total amount spent—

| | Rs. |
|---|---|
| 1951-52.. .. .. .. .. | 5,76,000 |
| 1952-53.. .. .. .. .. | 13,25,000 |
| 1953-54.. .. .. .. .. | 40,64,000 |
| (up-to-date). | |

तार गांव के लोगों पर नाजायज नहर-पानी काम में लाने का आरोप।

*१२६। श्री राधा मोहन राय—क्या मंत्री, सिंचाई विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि शाहाबाद जिले के रामनगर नहर सबडिवीजन के अन्तर्गत तार गांव (थाना पीरो) में कुछ लोगों पर यह आरोप लगाया गया है कि वे जून महीने में नहर के पानी से ईंट बनवाये हैं ;

(ख) क्या यह बात सही है कि उस सर्किल के ओवरसियर ने वहां के लोगों से, जिन लोगों ने कुएं में रेहट लगाकर ईंटा बनवाया है, यह कहा कि कुछ रुपया दीजिये नहीं तो सब पर नाजायज तरीके से नहर के पानी लेने का आरोप डाल कर नाजायज टक्स वसूल किया जायगा ;

(ग) क्या यह बात सही है कि इसकी शिकायत वहां के लोगों ने नहर विभाग के अधिकारियों के पास लिखित दरखास्त के रूप में किया है, यदि हां, तो सरकार ने इस पर कौन-सी कार्रवाई की ;

(घ) यदि उपरोक्त खंडों का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार इसे जांच करने की कृपा करेगी ?

श्री रामचरित्र सिंह—(क) उत्तर हां है । तार गांव में नहर अधिकारियों की अनुमति के विना नहर के पानी से इंटें बनाई गई है ।

(ख) उत्तर ना है ।

(ग) उत्तर हां है । किसानों ने इसकी शिकायत लिखकर की है जिसकी जांच पड़ताल हो रही है ।

(घ) खंड (क) (ख) और (ग) के उत्तर को ध्यान में रखते हुए प्रश्न नहीं उठता है ।

श्री हरिहर प्रसाद सिंह—कौन जांच कर रहा है ?

श्री रामचरित्र सिंह—इरिगेशन डिपार्टमेंट के अफसर कर रहे हैं ।

श्री हरिहर प्रसाद सिंह—क्या वही अफसर जिनके खिलाफ यह शिकायत है ?

श्री रामचरित्र सिंह—जी नहीं ; उनसे ऊंचे अफसर ।

श्री हरिहर प्रसाद सिंह—किस स्टेटस के अफसर के पास जांच करने के लिए दिया गया है ?

श्री रामचरित्र सिंह—एक्जिक्यूटिव इंजिनियर ।

श्री हरिहर प्रसाद सिंह—क्या उस गांव के लोगों ने सरकार के पास दरखास्त देने के पहिले एक्जिक्यूटिव इंजिनियर के पास इसकी दरखास्त दी थी ?

अध्यक्ष—यह तो सवाल ही में दिया हुआ है जिसका उत्तर हां है ।

श्री रामचरित्र सिंह—और किसानों ने इसकी शिकायत लिखकर की है जिसकी जांच-पड़ताल हो रही है ।

श्री हरिहर प्रसाद सिंह—क्या सरकार इसके औचित्य पर विचार कर सकती है कि जिस डिपार्टमेंटल हेड ने एक मर्तबा जजमेंट दे दिया था कि शिकायत की गई बात सही नहीं है तो फिर उसी के पास इसकी जांच करने के लिए भेजना कहां तक सही है ?

श्री रामचरित्र सिंह—जवाब तो दिया गया कि ऊंचे अफसर जांच करेंगे ।

श्री हरिहर प्रसाद सिंह—क्या सरकार को इसकी जानकारी है कि सुपीरियर अफसर ने दरखास्त देने पर जब कुछ नहीं किया तो सरकार के पास दरखास्त भेजी गई है ?

श्री रामचरित्र सिंह—यह तो सवाल में ही है।

सवाल में तो दिया हुआ है ही कि जब लोगों के दरखास्त पर कोई विचार नहीं हुआ तो उन्होंने यह दरखास्त दी और उसको जांच के लिए भेज दिया गया।

श्री हरिहर प्रसाद सिंह—क्या सरकार को इसकी जानकारी है कि दरखास्त देने वालों ने आरा के एक्जिक्यूटिव इंजिनियर के पास इस शिकायत की दर्खास्त दी थी या नहीं ?

श्री रामचरित्र सिंह—जवाब तो साफ दिया है कि वहां के लोगों ने नहर विभाग के अधिकारियों के पास की है और उसकी जांच हो रही है। चीफ इंजिनियर इसकी जांच कर रहे हैं।

श्री हरिहर प्रसाद सिंह—पहले सरकार ने कहा एक्जिक्यूटिव इंजिनियर जांच कर रहे हैं, अब सरकार कहती है कि चीफ इंजिनियर कर रहे हैं।

श्री रामचरित्र सिंह—हमने कहा सुपीरियर अफसर कर रहे हैं।

श्री हरिहर प्रसाद सिंह—आप से गलती से एक्जिक्यूटिव इंजिनियर कहा गया।

श्री रामचरित्र सिंह—हमने कहा कि जब दरखास्त किसी अफसर के विरुद्ध होती है तो उसके ऊंचे ओहदे के अफसर जांच करते हैं और जब वह दरखास्त एक्जिक्यूटिव इंजिनियर के पास नहीं की गई तो एक्जिक्यूटिव इंजिनियर जांच करेंगे मगर एक्जिक्यूटिव इंजिनियर के पास दरखास्त की गई है तो अब जो सुपीरियर अफसर होगा करेगा। जांच पर मालूम हुआ है कि एक्जिक्यूटिव इंजिनियर के पास दरखास्त दी गई है इस वास्ते चीफ इंजिनियर इसकी जांच कर रहे हैं।

श्री कर्पूरी ठाकुर—क्या यह बात सही है कि जांच-पड़ताल का काम तब शुरू हुआ जब माननीय सदस्य ने प्रश्न दिया सरकार के पास ?

अध्यक्ष—यह तो समझने का सवाल है कि जिस वक्त अफसर के सामने दरखास्त आई इसकी जांच शुरू हुई।

श्री कर्पूरी ठाकुर—अध्यक्ष महोदय, हम यह जानना चाहते हैं कि यह जांच-ताल कितने दिनों से चल रही है ?

अध्यक्ष—दरखास्त के बाद से।

श्री कर्पूरी ठाकुर—उसकी अवधि जानना चाहते हैं।

अध्यक्ष—यह सवाल ठीक नहीं है। आपने प्रश्न नहीं दिया है ; जिस माननीय सदस्य ने दिया है उसको अधिकार है।

श्री कर्पूरी ठाकुर—हाउस को जानने का अधिकार है, हुजूर ।

अध्यक्ष—हां, ठीक है लेकिन मेरा भी अधिकार है कि कौन प्रश्न हाउस के सामने रखा जाय ।

श्री कर्पूरी ठाकुर—हम यह जानना चाहते हैं कि कितने दिनों से जांच का काम चल रहा है—यह बहुत सीधा सवाल है और उचित सवाल है । हमलोग यह जानने के अधिकारी हैं ।

अध्यक्ष—क्या श्री राधामोहन राय, मूल प्रश्नकर्त्ता, यहां हैं ?

श्री राधामोहन राय—जी हां ।

अध्यक्ष—यह घटना कितने दिनों की है ?

श्री राधामोहन राय—८ महीने की बात है ।

अध्यक्ष—उनके कहने का मतलब है कि इतनी देर क्यों हो रही है ।

श्री रामचरित्र सिंह—यह जानना चाहिए कि चीफ इंजिनियर के पास केवल यही काम नहीं है । मगर वह बहुत जल्दी इसकी जांच करके आप लोगों को खबर देंगे ।

श्री हरिहर प्रसाद सिंह—ऑन ए प्वाएंट ऑफ आर्डर, इसकी जांच करने के लिये चीफ इंजिनियर को फुर्सत नहीं है, ऐसा जवाब सरकार की तरफ से इस सभा के सामने देना क्या जायज है ?

अध्यक्ष—अगर सभासद सरकार के जवाब से संतुष्ट नहीं हों तो इसके लिये सभा नियम का पालन करते हुए जो कारवाई चाहें कर सकते हैं । वे स्वयं देखें कि इस प्रकार वे कौन सी कारवाई कर सकते हैं ।

श्री हरिहर प्रसाद सिंह—क्या आप इस मामले में मदद नहीं दे सकते हैं ? आप इस सभा के अधिकारों के कस्टोडियन हैं ।

अध्यक्ष—माननीय मिनिस्टर को इसका अधिकार है कि वे चाहें तो इस तरह का जवाब दे सकते हैं । माननीय सदस्यों को भी अपने अधिकार का उचित पालन करना है ।

श्री रामानंद तिवारी—क्या सरकार यह बतलाने की कृपा करेगी कि वहां पर एक्जिक्यूटिव इंजिनियर और चीफ इंजिनियर जांच करने के लिये नहीं गये हैं और एस० डी० ओ० इसकी जांच किस आधार पर आज १० दिनों से कर रहे हैं ?

श्री रामचरित्र सिंह—सरकार को इसकी खबर नहीं है ।

श्री रामानंद तिवारी—एस० डी० ओ० वहां पर किसके आदेश से जांच करने गये हैं ?

श्री रामचरित्र सिंह—सरकार को इसकी खबर नहीं है ।

श्री रामानंद तिवारी—क्या सरकार इस बात की जांच करायेगी कि वे किस के आदेश से वहां पर जांच करने के लिये गये हैं ?

**Shri RAM CHARITRA SINGH :** It is a request for action.

श्री रामानंद तिवारी—क्या सरकार यह बतलायेगी कि जिन किसानों पर नहर से पानी लेकर इंट बनाने का आरोप है उन्होंने पटने के चीफ इंजिनियर के पास दरखास्त दी है ।

अध्यक्ष—यह तो पहले से ही सवाल में है ।

श्री रामचरित्र सिंह—सवाल में है कि उसने अधिकारियों के पास दरखास्त दी है । अधिकारियों यहां पर बहुवचन है और उसकी जांच हो रही है ।

हनुमनागढ़ी योजना का कार्यान्वयन ।

*१३० । श्री बासुकी नाथ—क्या मंत्री, सिंचाई विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) हनुमनागढ़ी योजना की जांच खत्म हो चुकी या हो रही है अगर हो रही तो इसकी प्रगति कहां तक हुई है ;

(ख) क्या सरकार इस योजना को इस वर्ष कार्यान्वित करने जा रही है ;

(ग) यदि खंड (ख) का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो इसके निर्माण में कितने रुपये लगेंगे ;

(घ) १९५७ के पहले यह योजना पूरी होगी या नहीं ?